Title: Need to reconsider the decision to close the Super Bazar - Laid.

श्री बाबूभाई के. कटारा (दोहद) : अध्यक्ष महोदय, दिल्ली का सुपर बाजार हाल ही में 16 अक्टूबर, 2001 से केन्द्रीय सरकार के निर्णय से बंद किया जाने वाला है। इस सुपर बाजार की मेन शाखा कनॉट प्लेस में शंकर मार्केट में है। इसकी दिल्ली में करीब 150 विभिन्न स्थानों पर शाखायें भी हैं, जिसमें करीब 2200 कर्मचारी भी काम करते हैं। इस सुपर बाजार के बंद होने से इन सबकी रोजी रोटी बंद हो जाएगी। यह सुपर बाजार, जो 1966 से चल रहा है - जिससे दिल्ली के विभिन्न स्तर के उपभोक्ताओं को अच्छा एवं शुद्ध माल एवं उचित दर से मिलता है, जिसमें कभी मिलावटी माल पाया नहीं गया। इस सुपर बाजार में 24 घंटे दवायें मिलती हैं। इस बाजार में दवाइयां शुद्ध होती हैं। बाजार में जिस दवा का भाव 45 रू0 होता है इसका इस सुपर बाजार में 35 रू0 होता है - यह तो एकमात्र उदाहरण ही है।

इस सुपर बाजार के करीब 1000 आपूर्तिकर्ता हैं और उनसे संबंधित करीब 10000 से अधिक कर्मचारी भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस सुपर बाजार से जुड़े हुए हैं, जिनकी रोजी रोटी भी छिन जाएगी।

इन आपूर्तिकर्ताओं का करीब 30 से 40 करोड़ रूपया इस सुपर बाजार में फंस गया है - जिसका वापिस करने की कोई गारंटी सरकार की तरफ से नहीं दी गयी है, जबकि सरकार ने इसे बंद करने का निर्णय किया है।

केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सुपर बाजार चालू बनाये रखने के लिए उचित कदम उठाये।